भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2921

जिसका उत्तर दिनांक 20.12.2023 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा उत्पादन

2921. श्री राजेन्द्र धेड्या गावित :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दस वर्षों के दौरान परमाणु ऊर्जा उत्पादन की मुख्य विशेषताएं क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान उत्पन्न अतिरिक्त परमाणु ऊर्जा का ब्यौरा क्या है; और

(ग) भविष्य में प्रक्रियाधीन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) पिछले 10 वर्षों में, देश में नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन उत्कृष्ट सुरक्षा का प्रदर्शन करता रहा। पिछले 10 वर्षों में, टीएपीएस 1 व 2 (वर्तमान में विश्व का सबसे पुराना रिएक्टर) के प्रचालन के 50 साल पूरे होने, केजीएस-1 द्वारा 962 दिनों तक अविरत प्रचालन के विश्व रिकॉर्ड की स्थापना जैसी निष्पादन उपलब्धियां हासिल की गईं। पिछले दस वर्षों (2013-14 से 2022-23) के दौरान नाभिकीय विद्युत संयंत्रों से लगभग 411 अरब यूनिटों की कुल बिजली का उत्पादन किया गया जिससे पर्यावरण में समतुल्य लगभग 353 मिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड (CO_2) के निस्सरण से बचा लिया जा सका।

(ख) नाभिकीय विद्युत संयंत्रों से वार्षिक रूप से बिजली उत्पादन वर्ष 2013-14 में 35334 मिलियन यूनिट (वाणिज्यिक-पूर्व उत्पादन सहित) से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 46982 मिलियन यूनिट (वाणिज्यिक-पूर्व उत्पादन सहित) हो गया है। वर्ष 2013-14 में संस्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता भी 4780 मेगावाट से बढ़कर वर्तमान में 7480 मेगावाट हो गई है।

(ग) भावी नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

* * * * *

अनुलग्नक

राज्य	स्थल	परियोजना	क्षमता (मेगावाट)
निर्माणाधीन/कमिशनन परियोजनाएं			
गुजरात	काकरापार	केएपीपी-3[$] व 4	2 X 700
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीपी-7 व 8	2 X 700
तमिलनाडु	कूडनकुलम	केकेएनपीपी-3 व 4	2 X 1000
		केकेएनपीपी-5 व 6	2 X 1000
	कल्पाक्कम	पीएफबीआर[@]	1 X 500
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी-1 व 2	2 X 700
प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय मंजूरी प्राप्त और पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन परियोजनाएं			
कर्नाटक	कैगा	कैगा-5 व 6	2 X 700
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी-3 व 4	2 X 700
मध्य प्रदेश	चुटका	चुटका-1 व 2	2 X 700
राजस्थान	माही बांसवाड़ा	माही बांसवाड़ा-1 व 2	2 X 700
		माही बांसवाड़ा-3 व 4	2 X 700

$ केएपीपी-3 (700 मेगावाट) ने जून-2023 में वाणिज्यिक प्रचालन आरम्भ कर दिया है।

@ भाविनी द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।

*****